बाल स्वयंसेवकों ने दिया अनुशासित कदमताल का परिचय

▶ शहर में कई स्थानों से निकाले पथ संचलन

इंदौर. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी विजयादशमी उत्सव के उपलक्ष्य में बाल स्वयंसेवकों के संचलनों का आयोजन किया गया. इसमें घोष की धुन पर, हजारों बाल स्वयंसेवकों ने अनुशासित कदमताल का परिचय दिया. संचलन में 30 हजार से अधिक बाल स्वयंसेवकों ने अनुशासन के साथ भाग लिया.

उल्लेखनीय है कि विजयादशमी के दिन ही डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने संघ की स्थापना की थी. इस वर्ष संघ स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण हो चुके है. इस निमित्त संघ अपने शताब्दी वर्ष का उत्सव भी मना रहा है. इस निमित्त इंदौर विभाग के नगरीय क्षेत्र से 35 और ग्रामीण क्षेत्र से 10 बाल संचलन निकाले गए. इन संचलनों में 10 वर्ष की आयु से 18 वर्ष की आयु के स्वयंसेवकों ने भाग लिया. संचलन में 30 हजार से अधिक बाल स्वयंसेवकों ने पूर्ण अनुशासन के साथ भाग लिया. संचलन मार्ग पर निकलने के पूर्व सभी स्थानों पर वक्ताओं ने उपस्थित स्वयंसेवकों और समाजजन का प्रबोधन किया, जिसमें पंच परिवर्तन, संघ स्थापना की पृष्ठभूमि, संघ के सौ वर्षों की यात्रा और शताब्दी वर्ष में स्वयंसेवकों द्वारा किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी गई. संचलन के निमित्त लगभग 1 माह पूर्व से कार्य आरम्भ हो गया था. संचलन हेतु चयनित स्थानों पर घोष वर्ग भी लगाए गए। जिनमें स्वयंसेवकों को विभिन्न वाद्ययंत्रों की 20 से अधिक रचनाओं का प्रशिक्षण दिया गया.

उत्सव जैसा माहौल रहा- संचलन के स्वागत के लिए शहरभर में उत्सव जैसा माहौल रहा. कई स्थानों पर स्वयंसेवकों के सम्मान में मंच सजाए गए, घरों के बाहर रंगोलियां बनाई गईं, तो कहीं फूल बरसाकर और तिलक लगाकर स्वागत किया गया. महिलाओं ने चंदन तिलक लगाकर स्वयंसेवकों का अभिनंदन किया.

इन स्थानों से निकले

कुछ इलाकों में यह संचलन सुबह निकला, तो कुछ स्थानों पर शाम के समय निकले इस तरह कुल 40 स्थानों से निकले संचलनों ने लगभग 90 किलोमीटर की दूरी तय की. जिसमें मुख्य रस्रूप से बंगाली कॉलोनी, राऊ कन्या शाला मैदान, रिया गार्डन, धार रोड, नगर निगम ज़ोन-1, किला मैदान, सुगनीदेवी कॉलेज और नंदानगर सहित कई क्षेत्रों में लोगों ने बड़ी संख्या में संचलन का स्वागत किया. वहीं बताया गया है कि बंगाली कॉलोनी से निकला संचलन आधा किलोमीटर से अधिक लंबा था.

राजकुमार ब्रिज पर तेज रफ्तार बस ने मां-बेटी को टक्कर मारी

इंदौर. खजराना क्षेत्र में रविवार शाम एक तेज रफ्तार बस ने एक्टिवा सवार महिला और उसकी 9 वर्षीय बेटी को टक्कर मार दी. घायल मां-बेटी को राहगीरों की मदद से निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि बस ड्रायवर को मौके पर ही पकड़कर पुलिस ने हिरासत में ले लिया.

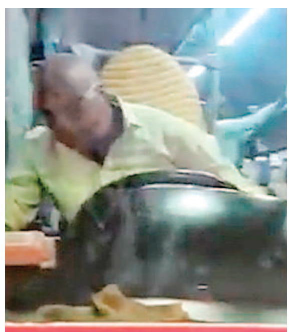

तुकोगंज थाना प्रभारी जितेन्द्र यादव ने बताया कि 29 वर्षीय अर्शी अपनी 9 साल की बेटी जर्निश के साथ स्कूटी से राजकुमार ब्रिज से गुजर रही थीं, तभी शुक्ला ब्रदर्स की बस नम्बर एमपी 09 एसआर 4913 ने सामने से टक्कर मार दी. हादसे में मां-बेटी सड़क पर गिर गईं और गंभीर रूप से घायल हो गईं. उन्होंने बताया कि बस ड्रायवर तेज रफ्तार और लापरवाह तरीके से बस चला रहा था. टक्कर के बाद वह भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन स्थानीय लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया. पुलिस ने बस और एक्टिवा को घटनास्थल से हटवाया और मामले की जांच शुरू कर दी है.

प्रॉपर्टी विवाद में व्यवसायी पर गोली चलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश

▶ मुख्य सरगना समेत चार आरोपी गिरफ्तार

नव भारत न्यूज

इंदौर. लसूड़िया थाना क्षेत्र के महालक्ष्मी नगर में प्रॉपर्टी व्यवसायी पर गोली चलाकर हत्या का प्रयास करने वाले गिरोह का पर्दाफाश हो गया है. पुलिस ने मुख्य सरगना विनय उर्फ सोनू राठौर सहित उसके तीन साथियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों की गिरफ्तारी पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित था. पुलिस ने उनके कब्जे से अवैध देशी कट्टा, पिस्टल और जिंदा राउंड बरामद किए हैं.

घटना 24 सितंबर की शाम को हुई थी, जब प्रॉपर्टी कारोबारी मनोज नागर अपनी फॉर्च्यूनर से घर लौट रहे थे. इसी दौरान सफेद कार में आए हमलावरों ने उनकी गाड़ी को टक्कर मारी. जैसे ही मनोज नीचे उतरे, कार सवार एक युवक ने उनकी आंख में लाल मिर्च पाउडर फेंक दिया, इसके बाद हेलमेट पहने एक आरोपी ने उन पर तीन गोलियां दाग दीं, जो उनके दोनों हाथों और पेट में लगीं. गंभीर हालत में उन्हें बॉम्बे हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था. प्रकरण दर्ज होने के बाद पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह के निर्देश पर जोन-2 डीसीपी कुमार प्रतीक, एडीसीपी अमरेन्द्र सिंह और एसीपी आदित्य पटले के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई. टीम ने सीसीटीवी फुटेज, मुखबिरों और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर जांच की. मुख्य आरोपी विनय राठौर ने पूछताछ में बताया कि वह और फरियादी मनोज नागर साथ में प्रॉपर्टी का व्यवसाय करते थे. विवादित सौदों और रुपयों के लेन-देन को लेकर दोनों के बीच मतभेद बढ़ गए थे. मनोज द्वारा लगातार दखल देने से विनय को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा, जिससे उसने मनोज की हत्या की साजिश रच डाली. विनय ने अपने साथियों शुभम खेड़कर, युवराज उर्फ राज बच्चा, अरविंद परमार और एक नाबालिग को साथ लेकर योजना बनाई. घटना से दो दिन पहले अरविंद के घर पर सभी ने बैठक कर मनोज की रेकी की. विनय ने शुभम को अवैध पिस्टल और खुद के लिए कट्टा दिया तथा एक कार रेंट पर लेकर वारदात को फिल्मी अंदाज में अंजाम दिया. पुलिस को 11 अक्टूबर को सूचना मिली कि आरोपी बायपास स्थित चौधरी ढाबे के पास मिलने वाले हैं. 35 वर्षीय विनय उर्फ सोनू राठौर निवासी रामकृष्ण बाग कॉलोनी, खजराना, 31 वर्षीय शुभम खेड़कर निवासी अहिल्या माता कॉलोनी, तुकोगंज, 22 वर्षीय युवराज सोनगरा उर्फ राज बच्चा निवासी वैभव लक्ष्मीनगर, खजराना तथा 28 वर्षीय अरविंद परमार निवासी वैभव लक्ष्मीनगर, खजराना की घेराबंदी कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया.

आरोपियों से हथियार और वाहन किए जब्त

पकड़े गए आरोपियों के पास से अपराध में उपयोग किए गए हथियार और वाहन जब्त कर जब आरोपियों से पूछताछ की तो उन्होंने अपना अपराध स्वीकार कर लिया. पुलिस ने आरोपियों के कब्जे सेएक अवैध देशी कट्टा और एक जिंदा राउंड़, एक देशी पिस्टल और दो जिंदा राउंड़ के साथ ही वारदात में उपयोग की गई एक्टिवा भी जब्त की है. पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया है ताकि वारदात के बारे में भी पूछताछ की जा सकें.

आयकर विभाग का इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी दफ्तर पर छापा, जांच जारी

▶ बिचौली हब्सी बायपास स्थित कार्यालय पर दस्तावेजों और वित्तीय रिकॉर्ड्स की गहन जांच

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर के बिचौली हप्सी बायपास पर स्थित एक कार्यालय पर आयकर विभाग ने छापामार कार्रवाई की है. विभाग के अधिकारी कंपनी के दस्तावेजों, अकाउंट बुक्स और डिजिटल रिकॉर्ड्स की गहन जांच कर रहे हैं.

सूत्रों के अनुसार, आयकर विभाग इस कार्रवाई के माध्यम से कंपनी के वित्तीय लेनदेन और संभावित टैक्स अनियमितताओं की पड़ताल कर रहा है. अधिकारियों का कहना है कि जांच में कंपनी के दस्तावेज, अकाउंट बुक्स और डिजिटल डाटा का विशेष महत्व है. यह कार्यालय देश की प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी जीआर इंफ्रा के लिए काम करने वाली एक सहयोगी कंपनी का है.

आयकर विभाग की टीम राजस्थान से इंदौर आई है और उसने कार्यालय में मौजूद रिकॉर्ड्स की विस्तृत जांच शुरू कर दी है. सूत्रों का कहना है कि इंदौर में चल रही यह कार्रवाई देशभर में 40 अन्य स्थानों पर की गई छापामार कार्रवाई का हिस्सा है. इस कार्रवाई का उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे कॉरिडोर और अन्य सरकारी परियोजनाओं में शामिल कंपनी के वित्तीय व्यवहार की पूरी पड़ताल करना है.

कई दस्तावेज किए जब्त

आयकर विभाग के अधिकारी कार्यालय में मौजूद प्रमुख कर्मचारियों से पूछताछ भी कर रहे हैं. सूत्रों का कहना है कि जांच में शुरुआती दौर में ही कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और रिकॉर्ड्स सामने आए हैं.

नकली क्राइम ब्रांच बनकर लूटपाट करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

▶ 5 लाख रुपए के यूएसडीटी और मोबाइल जब्त

नव भारत न्यूज

इंदौर. क्राइम ब्रांच टीम ने नकली क्राइम ब्रांच बनाकर घर में घुसकर लूटपाट करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों ने द्वारिकापुरी, गांधी चौक के 60 फीट रोड स्थित 716 नंबर स्थान पर आवेदक स्नेह परमार और उनके पिता को धमकाया और मारपीट की.

एडीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया ने बताया कि आरोपियों दीपक तिवारी, नीरज तिवारी और अमन लखिया ने आवेदक को डराते हुए कहा कि वह फ्रॉड के मामलों में शामिल हैं और कार्रवाई से बचने के लिए मोबाइल के जरिए आवेदक के ट्रेडिंग अकाउंट से 5,773 यूएसडीटी लगभग 5.12 लाख रुपए अन्य खाते में ट्रांसफर करवा लिए. क्राइम ब्रांच की कार्रवाई में तीनों आरोपियों के खाते फ्रीज किए गए और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर उन्हें दबिश देकर गिरफ्तार किया. आरोपियों में से दीपक तिवारी और नीरज तिवारी के खिलाफ पहले से ही इंदौर पुलिस में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं. दीपक पर 15 और नीरज पर 13 मामले. आरोपी प्रॉपर्टी दलाली और मोबाइल रिपेयरिंग का काम करते हैं और केवल 10वीं से 12वीं तक पढ़े हैं. आरोपियों ने प्रारंभिक पूछताछ में स्वीकार किया कि वे आवेदक पर कई दिनों से नजर रखे हुए थे और उसके ट्रेडिंग मुनाफे की जानकारी के आधार पर लूट की योजना बनाई थी. इस संबंध में अपराध शाखा में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है.